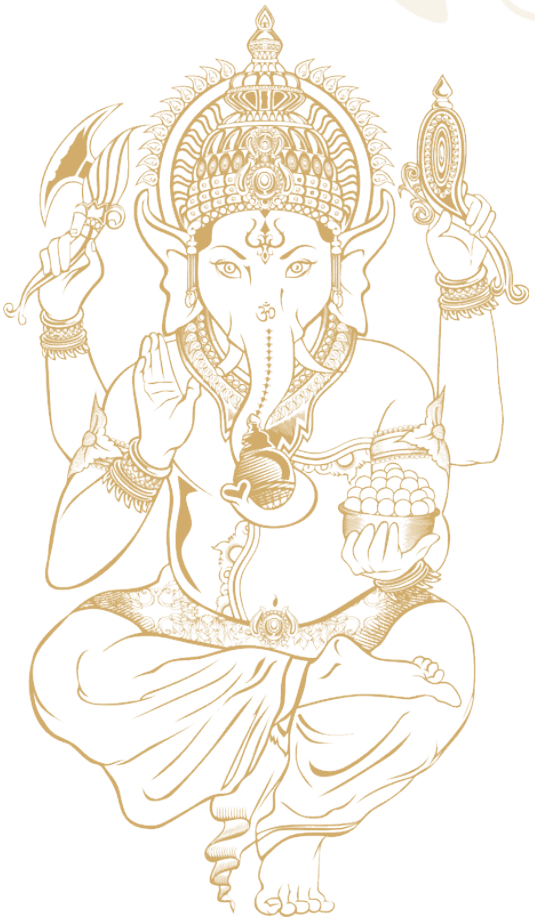

J

20 Sep 1999

08:35 AM

Davangere

Model: web-freekundliweb

Order No: 121707902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/09/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:35:00 घंटे**
इष्ट	05:48:28 घटी
स्थान	**Davangere**
राज्य	Karnataka
देश	India

अक्षांश	14:30:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:08:28 घंटे
वेलान्तर	00:06:20 घंटे
साम्पातिक काल	08:02:45 घंटे
सूर्योदय	06:15:36 घंटे
सूर्यास्त	18:24:28 घंटे
दिनमान	12:08:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:52:28 कन्या
लग्न के अंश	05:55:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शोभन
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:55:43	343:48:32	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	02:52:28	00:58:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			धनु	28:10:05	12:13:56	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	17:22:35	00:40:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	12:21:18	01:41:46	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	उच्च राशि
गुरु	व		मेष	10:01:42	00:04:59	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	26:27:50	00:19:22	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:56:30	00:02:11	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	18:15:39	00:01:26	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			मक	18:15:39	00:01:26	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:27:07	00:01:31	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:53:35	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:10:15	00:01:03	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	04:42:59	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

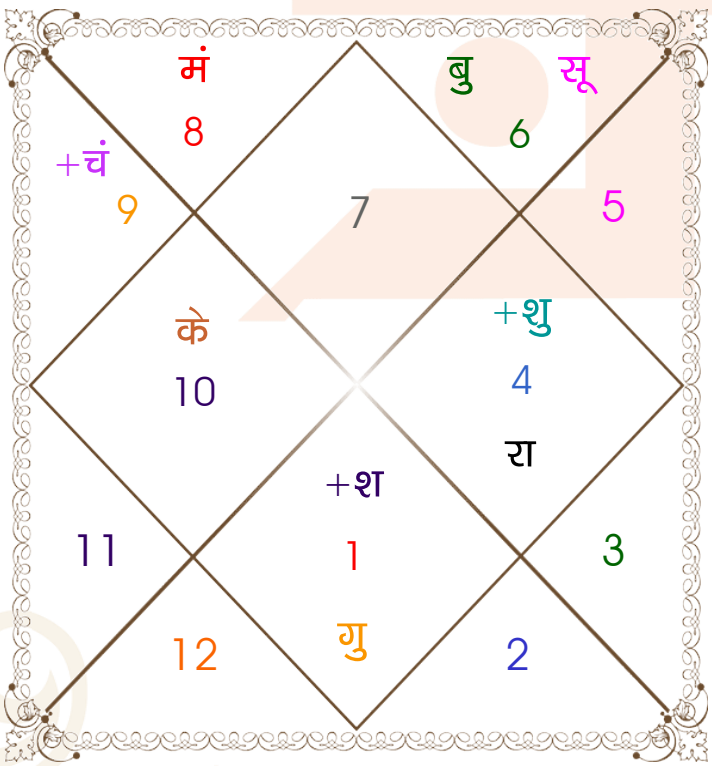

चन्द्र कुंडली

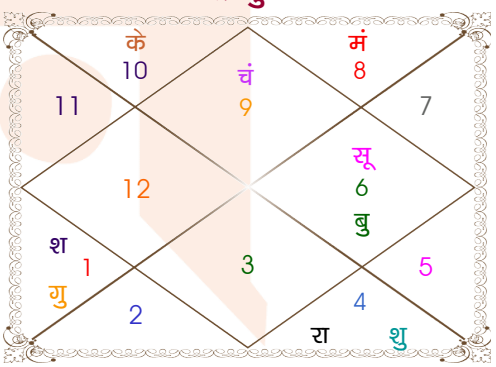

नवमांश कुंडली

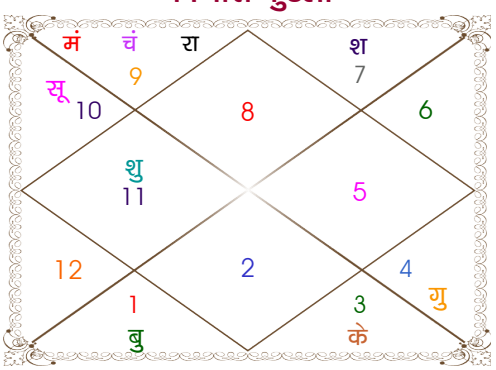

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 3 मास 27 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
20/09/1999		16/01/2005		16/01/2015		16/01/2022		16/01/2040	
16/01/2005		16/01/2015		16/01/2022		16/01/2040		16/01/2056	
	20/09/1999	चंद्र	16/11/2005	मंगल	14/06/2015	राहु	28/09/2024	गुरु	06/03/2042
चंद्र	04/11/1999	मंगल	17/06/2006	राहु	02/07/2016	गुरु	22/02/2027	शनि	16/09/2044
मंगल	11/03/2000	राहु	17/12/2007	गुरु	08/06/2017	शनि	29/12/2029	बुध	23/12/2046
राहु	03/02/2001	गुरु	17/04/2009	शनि	17/07/2018	बुध	17/07/2032	केतु	29/11/2047
गुरु	22/11/2001	शनि	16/11/2010	बुध	15/07/2019	केतु	04/08/2033	शुक्र	30/07/2050
शनि	04/11/2002	बुध	17/04/2012	केतु	11/12/2019	शुक्र	04/08/2036	सूर्य	18/05/2051
बुध	10/09/2003	केतु	16/11/2012	शुक्र	09/02/2021	सूर्य	29/06/2037	चंद्र	16/09/2052
केतु	16/01/2004	शुक्र	17/07/2014	सूर्य	17/06/2021	चंद्र	29/12/2038	मंगल	23/08/2053
शुक्र	16/01/2005	सूर्य	16/01/2015	चंद्र	16/01/2022	मंगल	16/01/2040	राहु	16/01/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/01/2056		16/01/2075		16/01/2092		16/01/2099		17/01/2119	
16/01/2075		16/01/2092		16/01/2099		17/01/2119		00/00/0000	
शनि	19/01/2059	बुध	14/06/2077	केतु	13/06/2092	शुक्र	19/05/2102	सूर्य	07/05/2119
बुध	28/09/2061	केतु	11/06/2078	शुक्र	14/08/2093	सूर्य	19/05/2103	चंद्र	21/09/2119
केतु	07/11/2062	शुक्र	11/04/2081	सूर्य	19/12/2093	चंद्र	17/01/2105		00/00/0000
शुक्र	07/01/2066	सूर्य	15/02/2082	चंद्र	21/07/2094	मंगल	19/03/2106		00/00/0000
सूर्य	20/12/2066	चंद्र	18/07/2083	मंगल	17/12/2094	राहु	18/03/2109		00/00/0000
चंद्र	20/07/2068	मंगल	14/07/2084	राहु	04/01/2096	गुरु	17/11/2111		00/00/0000
मंगल	29/08/2069	राहु	31/01/2087	गुरु	10/12/2096	शनि	17/01/2115		00/00/0000
राहु	05/07/2072	गुरु	08/05/2089	शनि	19/01/2098	बुध	17/11/2117		00/00/0000
गुरु	16/01/2075	शनि	16/01/2092	बुध	16/01/2099	केतु	17/01/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 3 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चत्तुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।